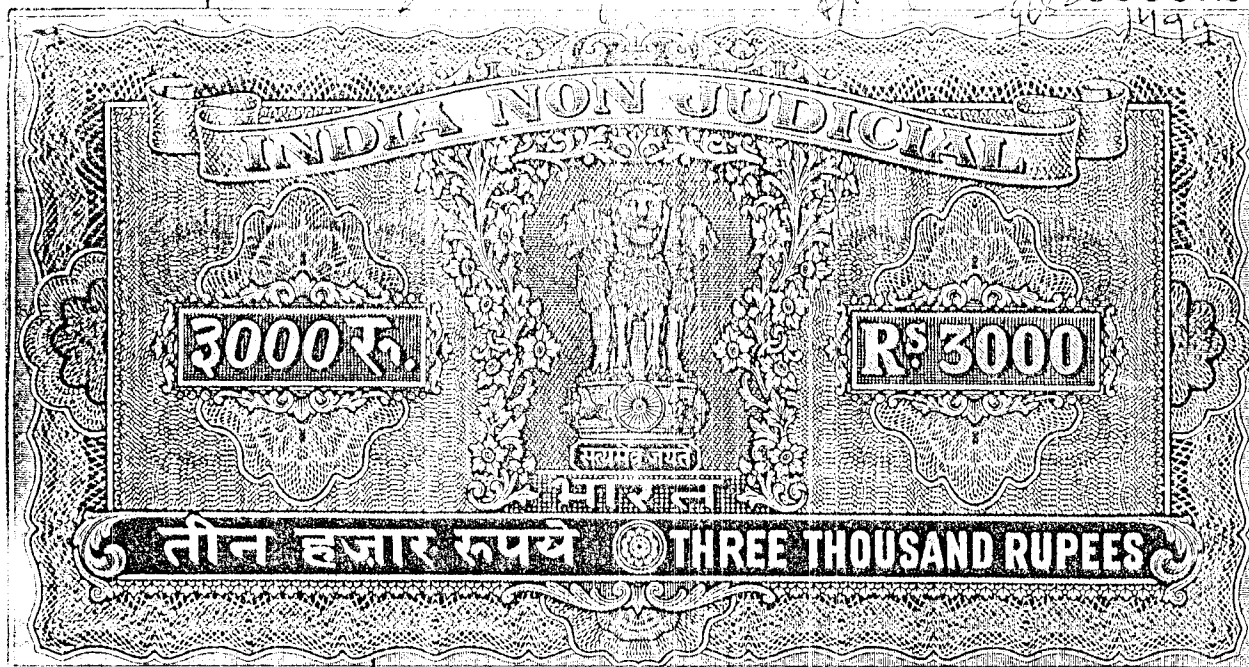


1492

[illegible]

2407192408
मिना कुमा उपाध्याय
अधी पति इवती अमीरिम 1976 की चारु २२ के
उपस्थित मोक्षन मत्र हा सचिवमन में दारा मिना उपाध्याय है

५६४२
१०.५.८)

१। चाम भो मली गीत पण्डित जीजी भा
साकिर कैलाशपीत पण्डित साकिर साकिर
वाला वाजा जीरे गीत साकिर
(धपरा) पेश गृहणी साकिर
साकिर है।

१ नाम श्री सती सरस्वती देवी जीजी श्री
सोफियर एस के सिन्हा साकिम माजी
उमिहा जीजी या नाना जी पामपर पोर

ਪ੍ਰਤੀ ਸ਼ਾਂਤਿ ਪਾਣਿਤ ਅੰਗਤ ਤੇਰਾਪਤ ਤੇਰੇ ਮਿਲਾ
 ਜੇ ਕੁਝ ਹੈ ਪਾਣਿਤ ਪਾਣਿਤ ਤੇਰੇ ਮਿਲਾ
 ਜੇ ਕੁਝ ਹੈ ਪਾਣਿਤ ਤੇਰੇ ਮਿਲਾ

9070-1-20





प्रहसनीय हमारी वो तमाम सवाजी (६१) एक
 जीयदाद शाय फट्टा वजगिनेव उत्तर पोच्छम केरा
 मोवण्य पर मिण्डु माल सवाजी (६४) चोर फट्टा
 ऐराजी जवदी मय सकास पोखला मय
 निद्रा मय (मिट्ट पडिप) जो सकास
 साग कुट से लगा हुआ है। मय जमीन
 मय गुमाल (गलाग मात अराहे -
 सकास मजकूर मय हक सकुन्त
 वो एक मोकाकात वो हक आशीय श
 वाके मोजा मैनपुर मोसु मे मोजा

$$\begin{array}{r} 1121 \text{ } 148 \\ 921 \text{ } 6126 \\ \hline 215 \\ 11211 \\ \hline 11211 \end{array}$$



मैनपुरी जो इन दिनों नेहरू नगर के नाम से विख्यात है प्रगण्डा के सर्वे भानु कुमारी भानु नं० २ को लाल भानु पाटील पुत्रा सब को सदर रजिस्ट्री को जिला पटना बैलौजी नं० ५२३६ रवाला नं० ४२८ को जुगो खसरा सर्वे नं० १६७२ सोलह ह सौ बहतर बगमा सालाना मा० उट्टीपेसा अथ शेष को अधिधार है जिसकी चौदही जमीन में है। को पटना कीलौजी विकास प्राधिकार क्षेत्र तथा मास्टर प्लान के अन्तर्गत है बगीचे नक्षी वितार सरकार बगीचे अधीन अधिकारी सदर पटना

जिला पटना
को जिला पटना
को जिला पटना
को जिला पटना



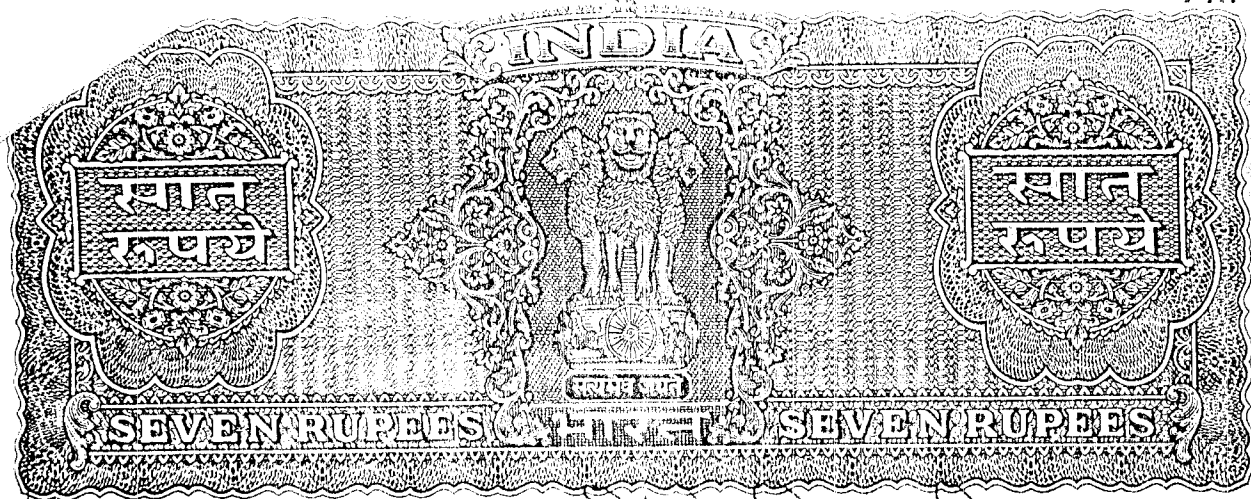
जिला - २४ फरवरी १९७२
जिला - २४ फरवरी १९७२
जिला - २४ फरवरी १९७२



ऊत्तर	दक्खिन	पूरव	पच्छिम
रोड	पार्ट नो १ नं० १६७२	पार्ट नो १ नं० १६७२	पार्ट नं० १६७२ सीत राम राय

जीवा जीव

अर्जा के श्री श्री जीता पण्डित मनमोहर
ने अपने स्त्री धन के रूप से संवाजी
(58) चार कट्टा एराजी कास्ट रैचली नवदी
(मायक वनीय सकाय वजुय) खसरा सर्व
नं० १६१२ बागापुर जिले में जीधदाद मुन्दी
खाना नं० ५ बरीकी हाथ मी है जो
वजुय जर सम्मन खुद वजरीय वसीक
केवाला वजुला काला मी मुसीदके रजिस्ट्री
पटना मरकुम नं० २२-८-१२ ई वसीक
नं० १०००१ जिल्द नं० २० पन्ना ४२९ त ४३२



जब की छाया पति पण्डित
मरत जीता पण्डित

मजकूर मजमाफिर के नाम से कटता
जाता है।
गजांग क मजमाफिर का सोनं गिरत
रुपया क वीह वनोन दिगार मकान
वा हरव राजात जररी जावन मुतअमिक
रवच रबोनदारी के असद है। इसीमिय
मजमाफिर नमस्वर वीह खा हान यहराय
कायम किया कि मकान मज गमीन मुन्दे
रवाना नपू वसीके हाज को विक्री करदुं
और उस विक्री के रुपया से रफ जररीयात
सदर का पुरा कर। धूनान्य मिन्जाने
मजमाफिर आम एमान विक्री मकान
मज गमीन मुन्दे रवाना नपू वसीके हाज
का चन्द गोरो हो किया गया विल
औरवर वदमियांन मजमाफिर - वीमजकूर
अलिहा विक्री की वाताचित निस्वत मकान
मज गमीन मुन्दे रवाना नपू वसीके
हाज वफागन मा ६८.००००० अइतागिरा
हजार रुपया जर सम्मन पोरन पज हा गया

के अब वसीका वध निस्वत जीयदाद मुतसरह-
 वाला वनाम को वहक मोकिर अलिहा तहरीर
 को तमील को रोजस्त्री कर देना लागमी है।
 वा सामला हाज के होने से बेहतर को
 फायदा मन मोकिराज का है।

अजांजा के मनमोकिरा वहालत से
 हत जात को सवात अकाम को पुरुस्ती
 हाथ को हवास को वेला देने जन्न को दाव
 नोजायज किसी दूसरा के सहज खुशी को
 रवाहिस से अपने बरबुरी नफा को नुक्सान
 को समझ को धूमकर को बमस्वर वीहरवाहन
 को नुनी आजादों राय लेकर बनेकनियती
 तमाम मकाम मध जमीन मुन्दर्ज रवाना नू
 वसीके हाज अजा समल्लिक को सकुबजे को -
 अपने मय जुमले हक को हक को
 बकीमत मो ४८०००० अड़ता गिस हजार
 रुपया गर रागगा साध को मती सरस्वती
 दी मोकिर अलिहा मुन्दर्ज रवाना न० २
 वसीके हाज के बेचा को वचन कालमी के
 अजांजा के इस रकर व वसुल तमाम

को मोल पाव
 को मुल्यदा फी पाउज
 १०/१२६

वो कमाण जर सम्मन मोकिर अलिहा खरीचरे।
 को शेष मोवध्या हागा पर काविज दोविल
 वो मोमलक मुस्ताकल तकवा वो गरदानीदया।
 वो आज ही से उसपर मोकिर अलिहा
 खरीचरे को शेष मोवध्या हागा पर कवा
 दरपल देविया। वो जो कुछ हक वो हकुक
 मनमोकिर को शेष मोवध्या हागा में
 हासिल था था होता वो है वह सब कुल
 हक वो हकुक आज के तारख से मनमोकिर
 से साकिल वो जायज वो मुन्तकिल होकर
 मोकिर अलिहा को हासिल हो गया।

अजाग के मोकिर अलिहा शेष
 मोवध्या हागा पर काविज दोविल वो मोमलक
 मुस्ताकल होकर वो रहकर नाम अपना
 वीनस्वत शेष मोवध्या हागा जहां जहां
 गसत इन्द्राग नाम को ही बहुराज
 जाग मनमोकिर की कर लिये। इसमें
 मनमोकिर को कुछ उजर वो एतराज
 न हागा वो न करेगा।

10/12/26
 कलाप
 10/12/26

अगाँगा के अब मन मोकिरा को मकान
 साथ जमीन मुन्के रवाना नष्ट वसी के हाज
 शीये मोवण्या हाज से कुछ तआलुक को -
 सैराकार नहीं रहा और न उसमें किसी
 किसिम का कोई हकियत ही बाकी रहा /
 अगार खेलाफ इसीके मन मोकिरा खाद कुदमी
 बार हाज कायम मोकायमान मन मोकिरा
 किसी उन्वान को वधान से किसी किसिम
 का कोई दावा या उजूर वीनस्वत शीये मोवण्या
 हाज साथ खरीदारे खाद बारसान उनके
 पेश करे तो वह काविल समायत किसी
 आदागत के ना हाजी।

अगाँगा के मन मोकिरा खरीदारे
 मोसुफ को यकिन को विश्वास दिनाया है
 कि शीये मोवण्या हाज में पूर्ण हकियत
 जान मोकिरा का हाजान है गिनौग जान मोकिरा
 के और कोई दिजार सब को कुछ तआलुक
 को सैराकार शीये मोवण्या हाज से नहीं है
 और शीये मोवण्या हाज हर तरह के बाँटने

फी
 पाई

हरे मोन फरे

92/10/1
 मोसुफ को विश्वास दिनाया है

हस्त लिखित पत्र
१० फरवरी १९७६
१०/११/७६

जोता पत्र

के फालत वो जोगी नूक्स होके पत वो दिगर
इतना काय वो जा चाहता जाया बैरह से विलकुल
पाक वो साफ है / अगर वैफल मन मोकिरा
वाह वारसाण कोयम मो काय मो न मन मोकिरा
रवाह वकगह सुहुर नूक्स होके पत गुज
या कुल शैय मो वछा हाजा से खरीदरे
वेदवाणी हो जीव या कोई वास्तेन शैय
मो वछा हाजा पर आयद होव वो खरीदरे
को अदीय करना पड़े तो वैसे हालत में
मोकिर जाले हा खरीदरे मो सुका को
हक वो आलीया हो जा कि जर
सम्मान कुल या गुज वकपर
वेदवाणी वो कुल रकम अदीय
काये उरानोव वचा वो
इवसार पत सुव काय नी ठापत
अज राज सुहुर वेदवाणी लगावत
हो राज वसुन हर किसेम के

जीयदाद मंग कुल वा गौर मंग कुल नामी
वा वनामी वा जात वा माल से मंगमोकिरा
वा वारसान वा कायम मोकायमान से

मंगमोकिरा के वसूल कर लेवेगी।

इस वीरत यह वसीका केवाला वयाग
कालामी गिरव दिया कि वक्त पर काम आवे।

तफसील वसूली जर सम्मन

अजांजा के कुल जर सम्मन वगारेये वी क्लमट

व वक्त एकरा वसीके हाज वासिरेईजाला स
वमोकावले रीजलहा सिहव मोका (जालहासे
वसूल पोचा)

गीत पावे

हो गीत पावे

कुरेमा परे पावे

१०/१२

कोरव सत्यानन्दमिहं सावसावभली
कोरव राजा जाका भेदगण्डिम
५२५ वरका सीका के मलका
५६५ सीका के मलका
५७५ सीका के मलका

वदरी राण - १० दस माह अप्रैल सन १९८७